WRITTEN ANSWER TO STARRED QUESTION

new tourism schemes for development of Puri and Konark

282. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal to implement new schemes for the development of Puri and Konark for tourism;

(b) whether similar schemes are proposed to be implemented for the development of tourist spots in other parts of Orissa; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF TOURISM (SHRI SRIKANTA KUMAR JENA): (a) The State Government has identified an area of about 3500 acres of land towards South of Puri Town for development as Special Tourism Area.

(b) and (c) .

There is no proposal for the establishment of Special Tourism Area in other parts of Orissa. However, the Government of India has been providing financial assistance to the State Government for the development of various tourist spots in the State. The projects assisted during 1996-97 include wayside amenities at Ghatgaon, Satpada, Ramachandi, Talohua, Kaipader and Sanghaghra, tourist complexes at Kendrapara, Upper Jenk, Amathgarh, Sasla and Kapilas, refurbishment of monuments of Ratnagiri, Udargiri and Lalitgiri, Development of Laxmi Barah Temple at Aul, Biranchi Narayan Temple at Palia and Lord Baldev Jew Temple at Kandrapara, Development of Forest Lodge at Dangama, and Sound and Light Show at Sun Temple, Konark.

बडौदरा में गुजरात उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ की स्थापना

283. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ल:** क्या विधि और न्याय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दक्षिण गुजरात में बड़ौदरा-सूरत में गुजरात उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ स्थापित किए जाने का कोई प्रस्ताव है ;

(ख) यदि हां, तो इसे कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है;

(ख) यदि नहीं, तो सरकार न्याय को इस क्षेत्र के गरीब, जनजातीय तथा पिछड़े लोगों की पहुंच तक लाने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ;

(घ) क्या सरकार इस संबंध में कोई वैकल्पिक व्यवस्था करने पर विचार कर रही है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

विधि और न्याय मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री रमाकान्त डी० खलप) : (क) से (ङ) राजकोट, सूरत, बडोदरा, कच्छ और भावनगर में गुजरात उच्च न्यायालय की न्यायपीठों की स्थापना के लिए, समय-समय पर, विधिज्ञ संगमों, आदि से अभ्यावेदन प्राप्त होते रहे हैं । तथापि, गुजरात राज्य सरकार से, इस संबंध में, गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से, अभी कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है । केन्द्रीय सरकार द्वारा इस विषय में, ऐसे प्रस्ताव के प्रारूप के प्राप्त होने पर ही कार्रवाई की जा सकती है ।

Non-responding officials of State Bank to difficulties|suggestions of MPS

284. SHRI VISHNU KANT SHASTRI:
SHRI BANGARULAXMAN:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether senior officials of Parliament Street main branch of State Bank of India, Delhi have not been rasponding to the difficulties|suggestions of Members of Parliament;